पहल

लुप्त हो रहे रोज वुड शीशम से एक बार फिर होगा बिहार व झारखंड हराभरा

हिन्दुस्तान एक्सक्लूसिव

गोपालगंज | मनीष कुमार भारतीय

एक बार फिर बिहार व झारखंड का इलाका रोज वुड शीशम से हराभरा होगा। इसके लिए वन उत्पादकता संस्थान ने एक कार्य योजना तैयार की है। रोज वुड शीशम का सबसे अव्वल प्रभेद है। इस प्रभेद के शीशम जलवायु परिवर्तन व संरक्षण की योजना के अभाव में तेजी विलुप्त होते जा रहे हैं। फिलहाल बिहार व झारखंड के साथ पश्चिम बंगाल में इसके काफी कम पौधे बचे हैं। पांच दशक पूर्व तक डालबर्जिया लैटीफोरिया वर्ग के रोज वुड शीशम इन राज्यों की वन संपदा में बहुतायत से शुमार था।

प्राकृतिक रूप से इसकी लकड़ी खूबसूरत होने के कारण इसे रोज वुड शीशम कहा जाता है। एक-दो वर्षों में किसानों को भी अपनी जमीन में लगाने के लिए इसके पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।

बनेगा जर्म प्लाज्म बैंकः रोज वुड शीशम से फिर से बिहार व झारखंड को आच्छादित करने के लिए जर्म प्लाज्म बैंक बनाया जाएगा। बैंक में इसके तने, बीज व जड़ से नए पौधे तैयार कर रखे जाएंगे। इसके लिए वन उत्पादकता संस्थान ने बिहार के प्रधान मुख्य वन संरक्षक से जमीन उपलब्ध कराने की मांग की है। संस्थान की बिहार के एग्रो क्लाइमेटिक जोन सारण- चंपारण, भागलपुर- मुंगेर, गया व पूर्णिया के इलाके में जर्म प्लाज्म बैंक बनाने की योजना है।

बिहार व झारखंड के वन उत्पादकता संस्थान के मुख्यालय रांची में संरक्षित किए गए रोज वुड। • हिन्दुस्तान

05
दशक पूर्व तक यह शीशम बड़ी संख्या में बिहार व झारखंड के वनसंपदा में था शुमार

40
40 वर्षों में इसके रोज वुड के पौधे पूरी तरह से हो जाते हैं तैयार

रोज वुड की होगी गिनती

रोज वुड के संरक्षण व इसके पौधे से दोबारा आच्छादन के लिए बिहार के साथ झारखंड में इसकी गिनती की जाएगी। फिलहाल नवगछिया, वाल्मीकिनगर व गोपालगंज के यूपी से सटे इलाके में कुछ रोज वुड शीशम के बचे होने का पता चला है। गिनती के बाद इससे नए पौधे तैयार कर जर्म प्लाज्म बैंक बनाने का काम शुरू होगा।

एक नजर में

रोज वुड की पांच खासियत

- इसकी लकड़ी होती है दूसरे शीशम की तुलना में मजबूत
- लकड़ी में प्राकृतिक रंग होने के कारण होती है खूबसूरत
- इससे बने फर्नीचर में वार्निश की नहीं होती है जरूरत
- फर्नीचर के आलावा इमारत में होता है इसका इस्तेमाल
- दूसरी लकड़ियों की तुलना में होती है ज्यादा सीधी व लंबी
- 4 एग्रो क्लाइमेटिक जोन में जर्म प्लाज्म बैंक बनाने की योजना

रोज वुड से एक बार फिर बिहार व झारखंड के इलाके को आच्छादित करने के लिए कार्य योजना बना कर उस पर काम शुरू किया गया है। झारखंड में इसके बचे पौधे की गिनती की जा रही है। जल्द ही बिहार के गोपालगंज सहित सभी जिलों में इसकी गिनती की जाएगी। फिर जर्म प्लाज्म बैंक में इसके पौधे तैयार किए जाएंगे। – आदित्य कुमार, वैज्ञानिक, वन उत्पादकता संस्थान